प्रदेश सरकार के साथ वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी ने किया समझौता

● मुख्य सचिव और कार्यवाहक उपकुलपति ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार और ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी (डब्ल्यूएसयू) ने भारत में डब्ल्यूएसयू का पहला कैम्पस ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता ज्ञापन लखनऊ में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और डब्ल्यूएसयू के कार्यवाहक उपकुलपति प्रोफेसर डेबोरा स्विनी द्वारा हस्ताक्षरित किया गया।

मुख्य सचिव ने इस साझेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि डब्ल्यूएसयू के ग्रेटर नोएडा में कैम्पस स्थापित करने वाली पहली विदेशी विश्वविद्यालय होगी। पहले चरण में, ग्रेटर नोएडा के एक व्यावसायिक भवन में कैम्पस स्थापित किया जाएगा और दूसरे चरण में, ग्रेटर नोएडा के 7 एकड़ क्षेत्र में एक पूरी तरह से विकसित विश्वविद्यालय कैम्पस बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि ग्रेटर नोएडा का यह कैम्पस उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति 2024 के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य एक लचीला, समावेशी और मजबूत उच्च शिक्षा प्रणाली का निर्माण करना है। इस नीति के तहत वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किए जाते हैं ताकि घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों को आकर्षित किया जा सके और राज्य की युवा जनसंख्या की क्षमता को अनलॉक किया जा सके, जिससे दीर्घकालिक आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी का ग्रेटर नोएडा में प्रस्तावित कैम्पस भारत में विश्व स्तरीय शिक्षा और नवाचार लाएगा, और भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संबंधों को मजबूत करेगा। डब्ल्यूएसओ को स्थिरता और नवाचार में उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है। प्रस्तावित कैम्पस ग्रेटर नोएडा में एक परिवर्तनकारी शिक्षा और उद्यमिता का केंद्र बनेगा, जो उत्तर प्रदेश की एग्रीटेक पहलों का समर्थन करेगा और स्मार्ट कृषि, जल प्रबंधन और जलवायु अनुकूलन में योगदान देगा, जिससे राज्य को उभरती हुई उद्योगों में अग्रणी बनाने में मदद मिलेगी।